चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
The Tribune	12.8.23	2	4-6

HAU for joint research with Poland varsity

TRIBUNE NEWS SERVICE

HISAR, AUGUST 11

Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University and Warsaw University, Poland, will collaborate in education and research fields. For this, an agreement has been signed between the two universities.

These universities will promote joint research, internship and training programmes for biotechnology application in the field of precision agriculture, academic exchange of students and researchers, etc.

The HAU Vice-Chancellor, Prof BR Kamboj, and the Dean College of Basic Sciences and Humanities of the University, Dr Neeraj Kumar, who are currently at Warsaw University, Poland, for establishing mutual cooperation for academic and research pursuits between the above two universities, had a detailed discussion with the Rector of the university, Prof Alojzy Z Nowak, on this topic. Representatives of the departments were also present.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
Times of India	12. 8. 23	5	1

HAU signs pact with Warsaw university

Hisar: Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (CCSHAU), Hisar, and Warsaw University, Poland, will cooperate with each other in education and research fields. For this, an agreement has been signed between the two universities, under which the two varsities will promote joint research, internship and training programmes for biotechnology application in the field of precision agriculture and academic exchange of students.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	12.8.23	4	1-3

हकृवि और पोलैंड के विश्वविद्यालय शिक्षा व शोध में देंगे सहयोग : प्रो. बीआर काम्बोज

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और वारसा विश्वविद्यालय, पोलैंड शिक्षा व अनुसंधान क्षेत्रों में परस्पर एक दूसरे का सहयोग करेंगे। इसके लिए दोनों विश्वविद्यालयों के बीच एक समझौता हुआ है जिसके अंतर्गत ये विश्वविद्यालय संयुक्त अनुसंधान, स्टीक कृषि के क्षेत्र में जैव प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग के लिए इंटरशिप और प्रशिक्षण कार्यक्रमों, छात्रों और शोधकर्ताओं के अकादमिक आदान-प्रदान आदि को बढ़ावा देंगे। उपरोक्त दोनों विश्वविद्यालयों के बीच शैक्षिक और अनुसंधान के लिए सहयोग स्थापित करने के उद्देश्य से चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज और इस विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. नीरज कुमार जोकि इन दिनों वारसा विश्वविद्यालय, पोलैंड में हैं, ने विश्वविद्यालय के रेक्टर प्रो. अलोजी जेड नोवाक से इस विषय पर विस्तार से बातचीत की। इस वार्ता में वहां के जीव विज्ञान विभाग, पर्यावरण माइक्रोबायोलॉजी, जैव प्रौद्योगिकी विभाग और आणविक जीव विज्ञान विभाग के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

समझौता-ज्ञापन का आदान प्रदान करते प्रो. काम्बोज व प्रो. अलोजी जेड नोवाक।

विद्यार्थियों व वैज्ञानिकों को होगा लाभ : काम्बोज

इस अवसर पर कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि हकृवि शैक्षणिक गतिशीलता के लिए आनलाइन कक्षाओं के संचालन या उनमें भाग लेने, इंटर्नशिप और प्रशिक्षण से लेकर वैज्ञानिकों की संयुक्त टीमों द्वारा संचालित अनुसंधान परियोजनाओं तक कई स्तरों पर वारसा विश्वविद्यालय के साथ सहयोग करना चाहता है। यह सहयोग दोनों विश्वविद्यालयों के लिए बहुत उपयोगी सिद्ध होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	12.8.23	4	4-6

हकृवि और पोलैंड के विश्वविद्यालय शिक्षा व अनुसंधान में देंगे सहयोग : प्रो. काम्बोज

हिसार, 11 अगस्त (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और वारसॉ विश्वविद्यालय, पोलैंड शिक्षा व अनुसंधान क्षेत्रों में परस्पर एक दूसरे का सहयोग करेंगे। इसके लिए दोनों विश्वविद्यालयों के बीच एक समझौता हुआ है जिसके अंतर्गत ये विश्वविद्यालय संयुक्त अनुसंधान, सटीक कृषि के क्षेत्र में जैव प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग के लिए इंटर्नशिप और प्रशिक्षण कार्यक्रमों, छात्रों और शोधकर्त्ताओं के अकादमिक आदान-प्रदान आदि को बढ़ावा देंगे।

उपरोक्त दोनों विश्वविद्यालयों के बीच शैक्षिक और अनुसंधान हेतु सहयोग स्थापित करने के उद्देश्य से चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज और इस विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार जोकि इन दिनों वारसॉ विश्वविद्यालय, पोलैंड में हैं, ने विश्वविद्यालय के रैक्टर प्रो. अलोजी जैड नोवाक से इस विषय पर विस्तार से बातचीत की। इस वार्ता में वहां के जीव विज्ञान विभाग, पर्यावरण माइक्रोबायोलॉजी, जैव प्रौद्योगिकी विभाग और आणविक जीव विज्ञान विभाग के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

समझौता-ज्ञापन का आदान-प्रदान करते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व प्रो. अलोजी जैड नोवाक।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि हकृवि शैक्षणिक गतिशीलता के लिए ऑनलाइन कक्षाओं के संचालन या उनमें भाग लेने, इंटर्नशिप और प्रशिक्षण से लेकर वैज्ञानिकों की संयुक्त टीमों द्वारा संचालित अनुसंधान परियोजनाओं तक कई स्तरों पर वारसॉ विश्वविद्यालय के साथ सहयोग करना चाहता है। यह सहयोग दोनों विश्वविद्यालयों के लिए बहुत उपयोगी सिद्ध होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	12.8.23	7	1-4

पोलैंड में एचएयू के वीसी और वारसॉ यूनिवर्सिटी के रेक्टर के बीच हुई बातचीत

हकृवि और वारसॉ विवि पोलैंड के बीच एमओयू

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और वारसॉ विश्वविद्यालय, पोलैंड शिक्षा व अनुसंधान क्षेत्रों में परस्पर एक दूसरे का सहयोग करेंगे। दोनों विश्वविद्यालयों के बीच समझौता हुआ है जिसके अंतर्गत ये विश्वविद्यालय संयुक्त अनुसंधान, स्टीक कृषि के क्षेत्र में जैव प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग के लिए इंटरशिप और प्रशिक्षण कार्यक्रमों, छात्रों और शोधकर्ताओं के अकादमिक आदान-प्रदान आदि को बढ़ावा देंगे। दोनों विवि के बीच शैक्षिक और अनुसंधान हेतु सहयोग स्थापित करने के उद्देश्य से एचएयू कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज और इस विवि के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार इन दिनों वारसॉ विश्वविद्यालय, पोलैंड में हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय के रेक्टर प्रो. अलोजी जेड नोवाक से इस विषय पर बातचीत की। इस वार्ता में वहां के जीव विज्ञान विभाग, पर्यावरण माइक्रोबायोलॉजी, जैव प्रौद्योगिकी विभाग और आणविक जीव विज्ञान विभाग के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

वीसी प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि एचएयू शैक्षणिक गतिशीलता के लिए ऑनलाइन कक्षाओं के संचालन या उनमें भाग लेने, इंटर्नशिप और प्रशिक्षण से लेकर वैज्ञानिकों की संयुक्त टीमों द्वारा संचालित अनुसंधान परियोजनाओं तक कई स्तरों पर वारसॉ विश्वविद्यालय के साथ सहयोग करना चाहता है। वारसॉ विवि के रेक्टर प्रो. अलोजी जेड नोवाक ने कहा कि हम अनुसंधान और उपदेशात्मक बारे में भारत के विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग के लिए तत्पर हैं। इससे जहां वारसॉ विश्वविद्यालय के छात्रों को सुदूर पूर्व के देशों के इतिहास, संस्कृति और संस्थानों के कामकाज के बारे में जानने का अवसर मिलेगा वहां हम अपने ज्ञान और अनुभवों को भी एक दूसरे के साथ सांझा कर सकेंगे। इस दिशा में यह सहयोग समझौता पहला कदम है।

बैठक में उपस्थित लुकाज डूनियाक ने कहा यह समझौता हमें कृषि, सूक्ष्म जीव विज्ञान और पर्यावरण जैव प्रौद्योगिकी में दोनों विश्वविद्यालयों की जानकारी का उपयोग करने का अवसर देगा। उन्होंने कहा वारसॉ विश्वविद्यालय के जीव विज्ञान संकाय में किए गए कुछ शोधों का कृषि क्षेत्र में अनुप्रयोग की बहुत संभावनाएं हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	12-8-23	4	5-7

एचएयू-पोलैंड के वारसॉ विवि में शिक्षा-अनुसंधान के लिए एमओयू

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) और वारसॉ विश्वविद्यालय पोलैंड अब शिक्षा व अनुसंधान क्षेत्रों में परस्पर एक-दूसरे का सहयोग करेंगे। इसके लिए दोनों विश्वविद्यालयों के बीच एक समझौता हुआ है, जिसके अंतर्गत ये विश्वविद्यालय संयुक्त अनुसंधान, स्टीक कृषि के क्षेत्र में जैव प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग के लिए इंटरशिप और प्रशिक्षण कार्यक्रमों, छात्रों और शोधकर्ताओं के अकादमिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देंगे।

वारसॉ विवि के रेक्टर प्रो. अलोजी जेड नोवाक ने कहा कि हम अनुसंधान और उपदेशात्मक संदर्भ में भारत के विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग के लिए तत्पर हैं। इस मौके पर एचएयू के कुलपति प्रो. कांबोज, डॉ. नीरज मौजूद रहे। संवाद

एचएयू में मौजूद प्रो. कांबोज व अन्य। स्रोत : विवि

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरिभूमि	12.8.23	4	2-6

हकृवि और पोलैंड के वारसॉ विवि शिक्षा व अनुसंधान में देंगे सहयोग

दोनों विश्वविद्यालयों के बीच हुआ एक समझौता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और वारसॉ विश्वविद्यालय, पोलैंड शिक्षा व अनुसंधान क्षेत्रों में परस्पर एक दूसरे का सहयोग करेंगे। इसके लिए दोनों विश्वविद्यालयों के बीच एक समझौता हुआ है जिसके अंतर्गत ये विश्वविद्यालय संयुक्त अनुसंधान, स्टीक कृषि के क्षेत्र में जैव प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग के लिए इंटरशिप और प्रशिक्षण कार्यक्रमों, छात्रों और शोधकर्ताओं के अकादमिक आदान-प्रदान आदि को बढ़ावा देंगे।

दोनों विश्वविद्यालयों के बीच शैक्षिक और अनुसंधान हेतु सहयोग स्थापित करने के उद्देश्य से हकृवि के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज और इस विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार जोकि इन दिनों वारसॉ विश्वविद्यालय, पोलैंड में हैं, ने विश्वविद्यालय के रेक्टर प्रो. अलोजी जेड नोवाक से इस विषय पर विस्तार से बातचीत की।

इस वार्ता में वहां के जीव विज्ञान विभाग, पर्यावरण माइक्रोबायोलॉजी, जैव प्रौद्योगिकी विभाग और आणविक जीव विज्ञान विभाग के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

हिसार। समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज व प्रो. अलोजी जेड नोवाक। फोटो : हरिभूमि

विद्यार्थियों व वैज्ञानिकों को होगा लाभ

इस अवसर पर कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि हकृवि शैक्षणिक गतिशीलता के लिए ऑनलाइन कक्षाओं के संचालन या उनमें भाग लेने, इंटर्नशिप और प्रशिक्षण से लेकर वैज्ञानिकों की संयुक्त टीमों द्वारा संचालित अनुसंधान परियोजनाओं तक कई स्तरों पर वारसॉ विश्वविद्यालय के साथ सहयोग करना चाहता है। यह सहयोग दोनों विश्वविद्यालयों के लिए बहुत उपयोगी सिद्ध होगा।

ज्ञान और अनुभव को करेंगे सांझा

वारसॉ विश्वविद्यालय के रेक्टर प्रो. अलोजी जेड नोवाक ने इसका स्वागत करते हुए कहा कि हम अनुसंधान और उपदेशात्मक संदर्भ में भारत के विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग के लिए तत्पर हैं। इससे जहां वारसॉ विश्वविद्यालय के छात्रों को सुदूर पूर्व के देशों के इतिहास, संस्कृति और संस्थानों के कामकाज के बारे में जानने का अवसर मिलेगा वहां हम अपने ज्ञान और अनुभवों को भी एक दूसरे के साथ सांझा कर सकेंगे। इस दिशा में यह सहयोग समझौता पहला कदम है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूं	12.8.23	5	4-8

वारसॉ विश्वविद्यालय के साथ सहयोग करना दोनों विश्वविद्यालयों के लिए बहुत होगा उपयोगी सिद्ध

हकृवि और पोलैंड के विश्वविद्यालय शिक्षा व अनुसंधान में देंगे सहयोगः प्रो. कम्बोज

हिसार। (सच कहूँ/ श्याम सुन्दर सरदाना)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और वारसॉ विश्वविद्यालय, पोलैंड शिक्षा व अनुसंधान क्षेत्रों में परस्पर एक दूसरे का सहयोग करेंगे।

इसके लिए दोनों विश्वविद्यालयों के बीच एक समझौता हुआ है जिसके अंतर्गत ये विश्वविद्यालय संयुक्त अनुसंधान, स्टीक कृषि के क्षेत्र में जैव प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग के लिए इंटरशिप और प्रशिक्षण कार्यक्रमों, छात्रों और शोधकर्ताओं के अकादमिक आदान-प्रदान आदि को बढ़ावा देंगे। उपरोक्त दोनों विश्वविद्यालयों के बीच शैक्षिक और अनुसंधान हेतु सहयोग स्थापित करने के उद्देश्य से चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज और इस विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार जोकि इन दिनों वारसॉ विश्वविद्यालय, पोलैंड में हैं, ने विश्वविद्यालय के रेक्टर प्रो. अलोजी जेड नोवाक से इस विषय पर विस्तार से बातचीत की। इस वार्ता में वहां के जीव विज्ञान विभाग, पर्यावरण माइक्रोबायोलॉजी, जैव प्रौद्योगिकी विभाग और आणविक जीव विज्ञान विभाग के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

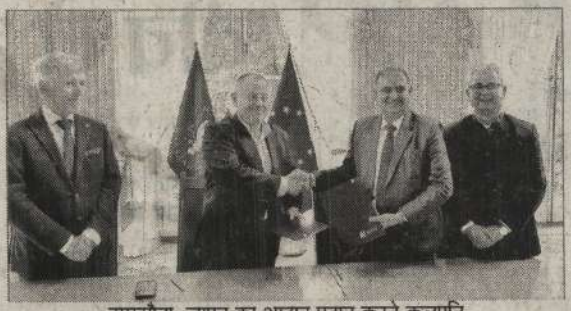

समझौता-ज्ञापन का आदान प्रदान करते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व प्रो. अलोजी जेड नोवाक

विद्यार्थियों व वैज्ञानिकों को होगा लाभ

इस अवसर पर कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि हकृवि शैक्षणिक गतिशीलता के लिए ऑनलाइन कक्षाओं के संचालन या उनमें भाग लेने, इंटर्नशिप और प्रशिक्षण से लेकर वैज्ञानिकों की संयुक्त टीमों द्वारा संचालित अनुसंधान परियोजनाओं तक कई स्तरों पर वारसॉ विश्वविद्यालय के साथ सहयोग करना चाहता है। यह सहयोग दोनों विश्वविद्यालयों के लिए बहुत उपयोगी सिद्ध होगा। वारसॉ विश्वविद्यालय के रेक्टर प्रो. अलोजी जेड नोवाक ने इसका स्वागत करते हुए कहा कि हम अनुसंधान और उपदेशात्मक संदर्भ में भारत के विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग के लिए तत्पर हैं। इससे जहां वारसॉ विश्वविद्यालय के छात्रों को सुदूर पूर्व के देशों के इतिहास, संस्कृति और संस्थानों के कामकाज के बारे में जानने का अवसर मिलेगा वहां हम अपने ज्ञान और अनुभवों को भी एक दूसरे के साथ सांझा कर सकेंगे। इस दिशा में यह सहयोग समझौता पहला कदम है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	12-8-23	5	1-3

कृवि और पोलैंड के विश्वविद्यालय शिक्षा व अनुसंधान में देंगे सहयोग : प्रो. काम्बोज

समझौता-ज्ञापन का आदान प्रदान करते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व प्रो. अलोजी जेड नोवाक।

हिसार, 11 अगस्त (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और वारसॉ विश्वविद्यालय, पोलैंड शिक्षा व अनुसंधान क्षेत्रों में परस्पर एक दूसरे का सहयोग करेंगे। इसके लिए दोनों विश्वविद्यालयों के बीच एक समझौता हुआ है जिसके अंतर्गत ये विश्वविद्यालय संयुक्त अनुसंधान, स्टीक कृषि के क्षेत्र में जैव प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग के लिए इंटरशिप और प्रशिक्षण कार्यक्रमों, छात्रों और शोधकर्ताओं के अकादमिक आदान-प्रदान आदि को बढ़ावा देंगे। उपरोक्त दोनों विश्वविद्यालयों के बीच शैक्षिक और अनुसंधान हेतु सहयोग स्थापित करने के उद्देश्य से चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज और इस विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार जोकि इन दिनों वारसॉ विश्वविद्यालय, पोलैंड में हैं, ने विश्वविद्यालय के रेक्टर प्रो. अलोजी जेड नोवाक से इस विषय पर विस्तार से बातचीत की। इस वार्ता में वहां के जीव विज्ञान विभाग, पर्यावरण माइक्रोबायोलॉजी, जैव प्रौद्योगिकी विभाग और आणविक जीव विज्ञान विभाग के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि हकृवि शैक्षणिक गतिशीलता के लिए ऑनलाइन कक्षाओं के संचालन या उनमें भाग लेने, इंटर्नशिप और प्रशिक्षण से लेकर वैज्ञानिकों की संयुक्त टीमों द्वारा संचालित अनुसंधान परियोजनाओं तक कई स्तरों पर वारसॉ विश्वविद्यालय के साथ सहयोग करना चाहता है। यह सहयोग दोनों विश्वविद्यालयों के लिए बहुत उपयोगी सिद्ध होगा। बैठक में उपस्थित लुकाज डूनियाक ने कहा यह समझौता हमें कृषि, सूक्ष्म जीव विज्ञान और पर्यावरण जैव प्रौद्योगिकी में दोनों विश्वविद्यालयों की जानकारी का उपयोग करने का अवसर देगा। उन्होंने कहा वारसॉ विश्वविद्यालय के जीव विज्ञान संकाय में किए गए कुछ शोधों का कृषि क्षेत्र में अनुप्रयोग की बहुत संभावनाएं हैं। एक कृषि विश्वविद्यालय के रूप में, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हमें प्रायोगिक कृषि भूमि पर अनुसंधान करने में सक्षम बनाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	11.08.2023	--	--

हकृवि और पोलैंड के विश्वविद्यालय शिक्षा व अनुसंधान में देंगे सहयोगः प्रो. काम्बोज

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और वारसॉ विश्वविद्यालय, पोलैंड शिक्षा व अनुसंधान क्षेत्रों में परस्पर एक दूसरे का सहयोग करेंगे। इसके लिए दोनों विश्वविद्यालयों के बीच एक समझौता हुआ है जिसके अंतर्गत ये विश्वविद्यालय संयुक्त अनुसंधान, स्टीक कृषि के क्षेत्र में जैव प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग के लिए इंटरशिप और प्रशिक्षण कार्यक्रमों, छात्रों और शोधकर्ताओं के अकादमिक आदान-प्रदान आदि को बढ़ावा देंगे। उपरोक्त दोनों विश्वविद्यालयों के बीच शैक्षिक और अनुसंधान हेतु सहयोग स्थापित करने के उद्देश्य से कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज और डॉ. नीरज कुमार जोकि इन दिनों वारसॉ विश्वविद्यालय, पोलैंड में हैं, ने इस विषय पर बातचीत की।

इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि हकृवि शैक्षणिक गतिशीलता के लिए ऑनलाइन कक्षाओं के संचालन या उनमें भाग लेने, इंटर्नशिप और प्रशिक्षण से लेकर वैज्ञानिकों की संयुक्त टीमों द्वारा संचालित अनुसंधान परियोजनाओं तक कई स्तरों पर वारसॉ विश्वविद्यालय के साथ सहयोग करना चाहता है। यह सहयोग दोनों विश्वविद्यालयों के लिए बहुत उपयोगी सिद्ध होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	11.08.2023	--	--

हकृवि और पोलैंड के विश्वविद्यालय शिक्षा व अनुसंधान में देंगे सहयोग : प्रो. काम्बोज

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और वारसॉ विश्वविद्यालय, पोलैंड शिक्षा व अनुसंधान क्षेत्रों में परस्पर एक दूसरे का सहयोग करेंगे। इसके लिए दोनों विश्वविद्यालयों के बीच एक समझौता हुआ है जिसके अंतर्गत ये विश्वविद्यालय संयुक्त अनुसंधान, सटीक कृषि के क्षेत्र में जैव प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग के लिए इंटर्नशिप और प्रशिक्षण कार्यक्रमों, छात्रों और शोधकर्ताओं के अकादमिक आदान-प्रदान आदि को बढ़ावा देंगे।

उपरोक्त दोनों विश्वविद्यालयों के बीच शैक्षिक और अनुसंधान हेतु सहयोग स्थापित करने के उद्देश्य से चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज और इस विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार जोकि इन दिनों वारसॉ विश्वविद्यालय, पोलैंड में है, ने विश्वविद्यालय के रेक्टर प्रो. अलोजी जेड नोवाक से इस विषय पर विस्तार से बातचीत की। इस वार्ता में वहां के जीव विज्ञान विभाग, पर्यावरण माइक्रोबायोलॉजी, जैव प्रौद्योगिकी विभाग और आणविक जीव विज्ञान विभाग के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों व वैज्ञानिकों को होगा लाभ

इस अवसर पर कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि हकृवि शैक्षणिक गतिशीलता के लिए ऑनलाइन कक्षाओं के संचालन या उनमें भाग लेने, इंटर्नशिप और प्रशिक्षण से लेकर वैज्ञानिकों की संयुक्त टीमों द्वारा संचालित अनुसंधान परियोजनाओं तक कई स्तरों पर वारसॉ विश्वविद्यालय के साथ सहयोग करना चाहता है। यह सहयोग दोनों विश्वविद्यालयों के लिए बहुत उपयोगी सिद्ध होगा।

वारसॉ विश्वविद्यालय के रेक्टर प्रो. अलोजी जेड नोवाक ने इसका स्वागत करते हुए कहा कि हम अनुसंधान और उपदेशात्मक संदर्भ में भारत के विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग के लिए तत्पर हैं। इससे जहां वारसॉ विश्वविद्यालय के छात्रों को सुदूर पूर्व के देशों के इतिहास, संस्कृति और संस्थानों के कामकाज के बारे में जानने का अवसर मिलेगा वहां हम अपने ज्ञान और अनुभवों को भी एक दूसरे के साथ साझा कर सकेंगे। इस दिशा में यह सहयोग समझौता पहला कदम है।

बैठक में उपस्थित लुकाज ड्रेनिवाक ने कहा यह समझौता हमें कृषि, सूक्ष्म जीव विज्ञान और पर्यावरण जैव प्रौद्योगिकी में दोनों विश्वविद्यालयों की जानकारी का उपयोग करने का अवसर देगा। उन्होंने कहा वारसॉ विश्वविद्यालय के जीव विज्ञान संकाय में किए गए कुछ शोधों का कृषि क्षेत्र में अनुप्रयोग की बहुत संभावनाएं हैं। एक कृषि विश्वविद्यालय के रूप में, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हमें प्रायोगिक कृषि भूमि पर अनुसंधान करने में सक्षम बनाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक पाठक पक्ष	11.08.2023	--	--

हकृवि और पोलैंड के विश्वविद्यालय शिक्षा व अनुसंधान में देंगे सहयोग: प्रो. बी.आर. काम्बोज

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 11 अगस्त : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और वारसॉ विश्वविद्यालय, पोलैंड शिक्षा व अनुसंधान क्षेत्रों में परस्पर एक दूसरे का सहयोग करेंगे। इसके लिए दोनों विश्वविद्यालयों के बीच एक समझौता हुआ है जिसके अंतर्गत ये विश्वविद्यालय संयुक्त अनुसंधान, स्टीक कृषि के क्षेत्र में जैव प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग के लिए इंटर्नशिप और प्रशिक्षण कार्यक्रमों, छात्रों और शोधकर्ताओं के अकादमिक आदान-प्रदान आदि को बढ़ावा देंगे।

उपरोक्त दोनों विश्वविद्यालयों के बीच शैक्षिक और अनुसंधान हेतु सहयोग स्थापित करने के उद्देश्य से चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज और इस विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार जोकि इन दिनों वारसॉ विश्वविद्यालय, पोलैंड में हैं, ने विश्वविद्यालय के रेक्टर प्रो. अलोजी जेड नोवाक से इस विषय पर विस्तार से बातचीत की। इस वार्ता में वहां के जीव विज्ञान विभाग, पर्यावरण माइक्रोबायोलॉजी, जैव प्रौद्योगिकी विभाग और आणविक जीव विज्ञान विभाग के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

समझौता-ज्ञापन का आदान प्रदान करते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व प्रो. अलोजी जेड नोवाक।

वारसॉ विश्वविद्यालय के रेक्टर प्रो. अलोजी जेड नोवाक ने इसका स्वागत करते हुए कहा कि हम अनुसंधान और उपदेशात्मक संदर्भ में भारत के विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग के लिए तत्पर हैं। इससे जहां वारसॉ विश्वविद्यालय के छात्रों को सुदूर पूर्व के देशों के इतिहास, संस्कृति और संस्थानों के कामकाज के बारे में जानने का अवसर मिलेगा वहीं हम अपने ज्ञान और अनुभवों को भी एक दूसरे के साथ सांझा कर सकेंगे। इस दिशा में यह सहयोग समझौता पहला कदम है।

बैठक में उपस्थित लुकास्ज़ ड्रूवनियाक ने कहा यह समझौता हमें कृषि, सूक्ष्म जीव विज्ञान और पर्यावरण जैव प्रौद्योगिकी में दोनों विश्वविद्यालयों की जानकारी का उपयोग करने का अवसर देगा। उन्होंने कहा वारसॉ विश्वविद्यालय के जीव विज्ञान संकाय में किए गए कुछ शोधों का कृषि क्षेत्र में अनुप्रयोग की बहुत संभावनाएं हैं। एक कृषि विश्वविद्यालय के रूप में, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हमें प्रायोगिक कृषि भूमि पर अनुसंधान करने में सक्षम बनाएगा।

विद्यार्थियों व वैज्ञानिकों को होगा लाभ

इस अवसर पर कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि हकृवि शैक्षणिक गतिशीलता के लिए ऑनलाइन कक्षाओं के संचालन या उनमें भाग लेने, इंटर्नशिप और प्रशिक्षण से लेकर वैज्ञानिकों की संयुक्त टीमों द्वारा संचालित अनुसंधान परियोजनाओं तक कई स्तरों पर वारसॉ विश्वविद्यालय के साथ सहयोग करना चाहता है। यह सहयोग दोनों विश्वविद्यालयों के लिए बहुत उपयोगी सिद्ध होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	11.08.2023	--	--

दोनों विश्वविद्यालयों के बीच कृषि के क्षेत्र में जैव प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग के लिए समझौता हुआ

हकृवि और पोलैंड के विश्वविद्यालय शिक्षा व अनुसंधान में देंगे सहयोग : प्रो. काम्बोज

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार, 11 अगस्त। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और वारसॉ विश्वविद्यालय, पोलैंड शिक्षा व अनुसंधान क्षेत्रों में परस्पर एक दूसरे का सहयोग करेंगे। इसके लिए दोनों विश्वविद्यालयों के बीच एक समझौता हुआ है जिसके अंतर्गत विश्वविद्यालय संयुक्त अनुसंधान, स्टोक कृषि के क्षेत्र में जैव प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग के लिए इंटरशिप और प्रशिक्षण कार्यक्रमों, छात्रों और शोधकर्ताओं के अकादमिक आदान-प्रदान आदि को बढ़ावा देंगे। उपरोक्त दोनों विश्वविद्यालयों के बीच शैक्षिक और अनुसंधान हेतु सहयोग स्थापित करने के उद्देश्य से चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज और इस विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार जोकि इन दिनों वारसॉ विश्वविद्यालय, पोलैंड में हैं, ने विश्वविद्यालय के रेक्टर प्रो. अलोजी जेड नोवाक से इस विषय पर विस्तार से बातचीत की। इस वार्ता में वहां के जीव विज्ञान विभाग, पर्यावरण माइक्रो बायोलॉजी, जैव प्रौद्योगिकी विभाग और आणविक जीव विज्ञान विभाग के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों व वैज्ञानिकों को होगा लाभ

इस अवसर पर कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि हकृवि शैक्षणिक गतिशीलता के लिए अभिलाइन कक्षाओं के संचालन या उनमें भाग लेने, इंटर्नशिप और प्रशिक्षण से लेकर वैज्ञानिकों की संयुक्त टीमों द्वारा संचालित अनुसंधान परियोजनाओं तक कई स्तरों पर वारसॉ विश्वविद्यालय के साथ सहयोग करना चाहता है। यह सहयोग दोनों विश्वविद्यालयों के लिए बहुत उपयोगी सिद्ध होगा। वारसॉ विश्वविद्यालय के रेक्टर प्रो. अलोजी जेड नोवाक ने इसका स्वागत करते हुए कहा कि हम अनुसंधान और उपदेशात्मक संदर्भ में भारत के विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग के लिए तत्पर हैं। इससे जहां वारसॉ विश्वविद्यालय के छात्रों को सुदूर पूर्व के देशों के इतिहास, संस्कृति और संस्थानों के कामकाज के बारे में जानने का अवसर मिलेगा वहां हम अपने ज्ञान और अनुभवों

को भी एक दूसरे के साथ सांझा कर सकेंगे। इस दिशा में यह सहयोग समझौता पहला कदम है। बैठक में उपस्थित लुकाज़ डुरुनियाक ने कहा यह समझौता हमें कृषि, सूक्ष्म जीव विज्ञान और पर्यावरण जैव प्रौद्योगिकी में दोनों विश्वविद्यालयों की जानकारी का उपयोग करने का अवसर देगा। उन्होंने कहा वारसॉ विश्वविद्यालय के जीव विज्ञान संकाय में किए गए कुछ शोधों का कृषि क्षेत्र में अनुप्रयोग की बहुत संभावनाएं हैं। एक कृषि विश्वविद्यालय के रूप में, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हमें प्रायोगिक कृषि भूमि पर अनुसंधान करने में सक्षम बनाएगा।